

Inhaltsverzeichnis.

| | Seite |
|--|-------|
| Einleitung | 7 |
| 1. Kapitel: Das Material | |
| § 1. Die Wörter | 9 |
| § 2. Die Quellen | 9 |
| § 3. Erste Einteilung | 10 |
| 2. Kapitel: Die älteste Sprachschicht: <i>god, fader, uualdand, alouualdo, ordfrumo, sceppho, neriand, heliand, Christ</i> | |
| § 1. <i>god</i> | 11 |
| § 2. <i>libbiend, uualdand, alouualdo</i> | 12 |
| § 3. <i>creator: skepfo, fruma, scyppend</i> | 14 |
| § 4. <i>Jesus Christus: neriand, heliand Crist</i> | 16 |
| § 5. <i>dominus: fro</i> | 20 |
| 3. Kapitel: Das Eindringen des Christentums bei den Germanen | |
| § 1. Worthistorische Schichtung | 23 |
| § 2. Begriffersatz und Begriffsumdeutung | 27 |
| 4. Kapitel: rex gloriae, der Himmelskönig der Angelsachsen | |
| § 1. <i>Cuning, theodan, ward, mundboro</i> | 34 |
| § 2. Die Lichtvorstellung Gottes | 39 |
| § 3. <i>aeternus, altus, clemens, verus</i> | 39 |
| § 4. <i>fortis, potens—mächtig, riki, craftag, mari</i> | 41 |
| § 5. <i>himilisc</i> | 42 |
| § 6. <i>helag</i> | 43 |
| 5. Kapitel: Heldisches Christentum | |
| § 1. <i>drohtin</i> | 54 |
| § 2. <i>thie sine holdun thegana</i> | 60 |
| § 3. Literarische Reste | 62 |
| 6. Kapitel: Die Sachsenmission | |
| § 1. Allgemeine Voraussetzungen | 64 |
| § 2. <i>herro</i> | 65 |
| § 3. <i>iungaro</i> | 68 |
| § 4. Gott Vater — Gott Sohn | 70 |
| § 5. Zusammenfassung | 72 |
| 7. Kapitel: Mönchsethik bei Otfried | |
| § 1. Stellung zur Welt | 73 |
| § 2. Wortkundliches | 76 |

| | |
|---|----|
| 8. Kapitel: Notkers Psalmenübersetzung und die Vereinheitlichung der Terminologie | |
| § 1. <i>salvator, salvum facere, salutaris</i> | 78 |
| § 2. <i>dominus</i> | 82 |
| § 3. <i>benedicere</i> | 83 |
| § 4. <i>gloria</i> | 84 |
| § 5. <i>diligere</i> | 85 |
| § 6. Zusammenfassung | 86 |
| Ergebnisse | 86 |
| Literaturverzeichnis | 89 |
| Verzeichnis der Abkürzungen | 95 |